MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2014 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - III

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) **निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :** **2**

1) यह चिड़िया बराबर बोलती है ----------

(अ) जुहो ! जुहो ! जुहो !

(ब) भोल जाला ! भोल जाला !

(क) सुबह हुई ! सुबह हुई !

2) एक नौकर ने दबी जबान से बताया कि ----------

(अ) जल्द से जल्द टीना की शादी करना बेहद जरुरी हो गया है ।

(ब) टीना को तुरंत विलायत भेजा जाना तय हो गया है ।

(क) टीना का कॉलेज जाना बंद हो गया है ।

आ) **निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :** **3**

1) उनके चेहरे पर अब बेहद ..... के भाव हैं ।

2) उसके सिर पर बहुत बड़ा ..... निकल आया ।

3) सब लोग ..... से होटल के बाहर जमा हो गए थे ।

इ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1) रात के अंधकार में दस - बारह मनुष्य क्या कर रहे थे ?

2) चतुर वैद्य कभी - कभी चिकित्सा के लिए किसकी सहायता लेता है ?

3) प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श क्यों हैं ?

4) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कौन - सी मीटिंग और कहाँ संपन्न हुई ?

5) कसाई ने भेड़ किससे मोल ली थी ?

ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** **2**

1) ''हमारे सबब से तो दीवार गिरी ।''
2) ''इतना खर्च कौन आप लोगों को अखरेगा ।''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1) प्रीति मोंगा की दृष्टि से कामयाबी किसे कहते हैं ?
2) गोवर्धनदास पर पछताने की बारी क्यों आ गई ?
3) सबने राहत की साँस कब और क्यों ली ?
4) टीले पर घने वृक्ष के नीचे दोनों शिकारियों ने क्या देखा ? संन्यासी ने उनके बारे में क्या खुलासा किया ?
5) रामू की बहू ने बिल्ली की हत्या की क्या योजना बनाई और क्यों ?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पाँच - पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा ।'' कुछ रुककर पंडित जी ने कहा, ''सो इसकी चिंता न करो, मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा और मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मणों के भोजन का फल मिल जाएगा ।''

''यह तो पंडित जी ठीक कहते हैं । पंडित जी की तोंद तो देखो !''मिसरानी ने मुस्कराते हुए पंडित जी पर व्यंग्य किया ।

1) पंडित जी के कथन से उनकी कौन - सी वृत्ति सूचित होती है ?
2) पंडित जी लोगों की किस भावना का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं ?
3) मिसरानी ने पंडित पर किस प्रकार व्यंग्य कसा ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1) यदि तू लौट पड़ेगा थककर, अंधड़ ..... से डर ।
2) गुण ही जन - मन ....., ताज हो ।
3) तुम विशाल ..... पर, खून से विजय लिखो ।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1) कबीर ने साईं से अपने लिए क्या माँगा है ?
2) निर्झर झरकर क्या संदेश देता है ?
3) घाट पर पूरी व्यवस्था किसके लिए है ?

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए : 3

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघर उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन - ठन के सँवर के।

1) मेघों के आने पर कौन चली, कौन भागी ?
2) 'बाँकी चितवन' का क्या अर्थ है ?
3) बन - ठनकर कौन आया ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : 3

अंधकार का गरूर आन - बान तोड़ दो,
बालको, भविष्य के लिए मिसाल छोड़ दो,
दो नई - नई दिशा वर्तमान काल को।

ङ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : 6

1) कविता में 'मेघों' के लिए 'पाहुन', तथा उनके 'बन - ठन के सँवर के' आने का उल्लेख क्यों किया गया है ?
2) नवयुग के नए विहान के लिए कवि कौन-कौन-सी इच्छाएँ प्रकट करता है ?
3) दान देने से मनुष्य की संपत्ति घटती नहीं है, इसे कबीर ने किस उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : 8

1) व्यंग्यकार परसाई जी ने टैक्स से संबंधित बीमारी को किस प्रकार चित्रित किया है ?
2) लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की क्या जानकारी दी गई है ?
3) 1897 की प्लेग बीमारी में स्वामी विवेकानंद ने देशवासियों की सेवा किस प्रकार की ?
4) तुलसी में कौन - कौन - से औषधीय गुण हैं ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1) गंगा बाबू हैं कौन ?
2) तुलसी का बिरवा

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

1) वाह ! 2) लिए

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) साहब मंदिर के पीछे खड़े थे ।

2) नदी का मधुर स्वर सर्वदा सुनाई देता था ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : **1**

1) आनंद का क्षण आता था । (सामान्य भूतकाल)

2) माँ चिंता में पड़ती है । (पूर्ण वर्तमानकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : **1**

1) तुम रोज आया करो ।

2) कबरी बिल्ली घी - दूध पर जुट गई थी ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) पाना 2) बनना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : **1**

1) महकना 2) पूछना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) राजेश ने सीटी बजाई ।

2) रमा ने नीतू से कहकर परेश से पत्र भिजवाया ।

ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **2**

1) पंडित परमसुख का नाक सिकुड़ गया ।

2) प्रकृतिसौंदर्य की जादू काम कर गई ।

3) शराबी की नशा उतर गई ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:

1) मैंने कहा भैया मत रोओ सिर दुखेगा

2) इसे संस्कृत में किंशुक (क्या यह शुक है) कहा गया है

3) ये बरगद नीम पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **3**

1) खून सवार हो जाना ।
2) जान के लाले पड़ना ।
3) ठुकरा देना ।
4) फूला न समाना ।
5) मन न लगना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(पैर पकड़ना, ताँता बँधा रहना, सिहर उठना, कान खड़े रहना, जान में जान आना)

1) गाँधीजी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों की भीड़ लगी रहती थी ।
2) मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों को धीरज प्राप्त हुआ ।
3) सीमा पर देश की रक्षा के लिए हमारे जवान सदा सचेत रहते हैं ।
4) एकाएक डाकू को सामने देखकर मुनीम भयभीत हो गया ।
5) मोहन ने अपनी गलती के लिए पिता से माफी माँगी ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : **10**

1) हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी ।
2) मेले में दो घंटे ।
3) यदि परीक्षा न होती ..... ।
4) बूढे की आत्मकथा ।

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए : **4**

1) रमेश / रमा पटेल 50, रामपुर, नासिक - 546005 से अपने विभाग के महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल के उपअभियंता के नाम पत्र लिखकर इस माह के बिजली का बिल अधिक आने के कारण शिकायत करता/करती है ।
2) सुधाकर / सुमन पांडे, सुंदर भवन, शनिवार पेठ, पूना – 422020 व्यवस्थापक, सूरज पुस्तक भंडार, शास्त्री रोड, आगरा 322001 के नाम लिखकर नीचे लिखी गई पुस्तकें वी.पी.पी. से भेजने की माँग करता / करती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

बाजार में बेचने के लिए 'वाशिंग पाउडर' का प्रचार करना है ।

(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । **4**

रूपरेखा : दो मित्र – सागर में तूफान – नाव का टूटना – दोनों का एक ही तख्ते का सहारा लेना – तख्ता केवल एक का भार सँभालने में समर्थ – 'मेरी माँ को संभालो' सूचना के साथ अविवाहित मित्र का तख्ते को छोड़ देना – दूसरे का बचना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :** 4

विधाता ने हमें दशेंद्रिय दिए हैं। यह मानव को ईश्वर की बड़ी देन है। हमें ईश्वर ने दो आँखें, दो कान, दो हाथ, दो पैर और एक मुँह दिया है। इन इंद्रियों से ही मनुष्य सामर्थ्यशाली बना है। विधाता का हमें दो आँखें देने का मतलब यही है कि शत्रु और मित्र को देखने की हमारी दृष्टि समान हो। दो कान इसलिए दिए हैं कि एक कान से अच्छाई सुनें और दूसरे कान से बुराई छोड़ दें। दो हाथ इसलिए दिए हैं कि वह एक हाथ से ले और दूसरे हाथ से बाँटता रहे। दो पैर इसलिए दिए हैं कि हम कदम - कदम मिलाते हुए देश की ताकत बढ़ाएँ। विधाता ने हमें एक ही मुँह दिया है, इसका कारण क्या है? इसलिए कि वह एकवचनी हो, देने के लिए वचनबद्ध हो।

Best Of Luck 👍

MT-115

2014 1100

MT - 115 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - III

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.**1**.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	यह चिड़िया बराबर बोलती है **जुहो ! जुहो ! जुहो !**	**1**
2)	एक नौकर ने दबी जबान से बताया कि **जल्द से जल्द टीना की शादी करना बेहद जरुरी हो गया है।**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	उनके चेहरे पर अब बेहद **संपन्नता** के भाव हैं।	**1**
2)	उसके सिर पर बहुत बड़ा **गुरमा** निकल आया।	**1**
3)	सब लोग **मुस्तैदी** से होटल के बाहर जमा हो गए थे।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	रात के अंधकार में अस्त्र- शस्त्रों से सुसज्जित दस - बारह मनुष्य मिर्जई पहने चरस का दम लगा रहे थे।	**1**
2)	चतुर वैद्य कभी - कभी चिकित्सा के लिए विष की सहायता लेता है।	**1**
3)	प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श हैं क्योंकि उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए पढ़ना - लिखना सुलभ कर दिया।	**1**
4)	मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लघु उद्योग पर राज्य स्तर मीटिंग 'गोल्डन गेट' में संपन्न हुई।	**1**
5)	कसाई ने गड़रिए से भेड़ मोल ली थी।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	कल्लू बनिए की दीवार गिरने का आरोप कोतवाल पर साबित कर राजा ने उसे फाँसी देने का आदेश दिया। दुबले - पतले कोतवाल को छोड़ दिया गया क्योंकि फाँसी का फंदा उसके गले से बहुत बड़ा था। इसलिए सिपाहियों ने फाँसी देने के लिए गोवर्धनदास को पकड़ लिया। फाँसी देने के कुछ ही क्षणों पहले महंत जी ने वहाँ पहुँचकर बताया कि इस शुभ घड़ी में जो मरेगा, वह सीधे स्वर्ग जाएगा। गुरु - शिष्य दोनों फाँसी पर चढ़ने के लिए उतावले हो गए। यह देखकर मंत्री ने स्वर्ग जाने की इच्छा से कहा , 'तब तो हम फाँसी चढ़ेंगे' इसे सुनते ही गोवर्धनदास ने कहा कि नहीं फाँसी पर तो वही चढ़ेगा	**2**

	क्योंकि फाँसी का हुकुम सिर्फ उसे ही है । इस पर कोतवाल तुरंत बोल पड़ा, ''हम लटकेंगे ! हमारे सबब से तो दीवार गिरी ।''	
2)	बिल्ली की हत्या के प्रायश्चित के लिए पंडित जी भारी मात्रा में अनाज, घी और नमक की माँग करते हैं, इससे रामू की माँ रुआँसी हो जाती है । पर किसनू की माँ, छन्नू की दादी और मिसरानी भी पंडित जी का ही समर्थन करती हैं । इसी संदर्भ में मिसरानी यह वाक्य कहती है ।	**2**
	उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :	
1)	'सफलता की चुनौतियाँ' पाठ में 'प्रीति मोंगा' के साक्षात्कार द्वारा शारीरिक कमजोरी पर विजय पाकर जिंदगी में कामयाबी के प्रति नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया गया है । प्रीति मोंगा जी नेत्रहीन होते हुए भी एक सफल और प्रेरक महिला हैं । दृष्टिहीनता के बावजूद वे अपने सभी काम स्वयं ही करती हैं । कामयाबी के प्रति उनका दृष्टिकोण है कि सतत अथक चुनौतियों का सामना करते रहना । चुनौतियों से ही व्यक्ति की काबिलियत निखरकर दुनिया के सामने आती है । चुनौतियों से संघर्ष करते रहना ही जीवन को सार्थकता प्रदान करता है । चुनौतियों को सामने देखकर पलायन करनेवाले कभी - भी सफलता का आनंद नहीं ले पाते। प्रीति जी का मानना है कि जीवन में सफलता की सबसे पहली प्रेरणा असफलता ही है । इसी से सफलता की ओर बढ़ते रहने की हिम्मत मिलती है । सकारात्मक सोच और अथक परिश्रम के साथ चुनौतियों का सामना करते रहने से ही जीवन में सफलता हाथ लगती है । इस प्रकार प्रीति मोंगा जी की दृष्टि से कामयाबी चुनौतियों से संघर्ष करते रहने को कहते हैं ।	**3**
2)	लेखक 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' जी ने 'अंधेर नगरी' पाठ में 'मूर्ख राजा की मूर्ख प्रजा' रूपी अविवेकी वृत्ति से परिचित कराते हुए इससे बचे रहने की प्रेरणा दी है । फरियादी की बकरी दीवार के नीचे दबकर मर गई और इसका आरोप बारी - बारी से कई लोगों पर लगाया गया । आखिरी अपराधी कोतवाल ही साबित हुआ । राजा ने उसी को फाँसी पर चढ़ाने का आदेश दिया । फाँसी का फंदा बड़ा निकला क्योंकि कोतवाल साहब दुबले - पतले थे । इस पर महाराज का हुक्म हुआ कि किसी मोटे आदमी को फाँसी दे दी जाए । किसी - न - किसी को सजा मिलनी जरूरी थी । गोवर्धनदास बैठा मिठाई खा रहा था । उसी समय चार सिपाहियों ने आकर उसे पकड़ लिया । गोवर्धनदास ने उनसे पूछा कि वे किसलिए उसे पकड़कर ले जा रहे हैं ? सिपाहियों ने कहा कि राजा ने किसी मोटे आदमी को फाँसी देन्ओ का आदेश दिया है । अंधेर नगरी में गोवर्धनदास काफी सस्ते दामों पर मिठाई खा - खाकर खूब मोटा हो गया था । उसकी गर्दन फाँसी के हिसाब से बराबर थी । इस प्रकार बिना किसी अपराध के फाँसी देने का निर्णय दिया गया तो गोवर्धनदास पर पछताने की बारी आ गई ।	**3**
3)	लेखक 'दामोदर खड़से' जी ने 'साहब फिर कब आएँगे माँ ?' पाठ में गरीबी लाचारी दुख और आर्थिक विषमता से घिरी अभावग्रस्त जीवन का मार्मिक चित्रण किया है ।	**3**

	मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में लघु उपयोग पर राज्यस्तर की एक मीटिंग होटल गोल्डन गेट में होने वाली थी । मुख्यमंत्री जी का किसी कारणवश वहाँ जाना तय नहीं था परंतु बाद में अचानक उनके आने का कार्यक्रम बन गया । तब कलेक्टर के पी.ए. ने गोल्डन गेट के मैनेजर को फोन पर सूचित किया कि कल की मीटिंग में मुख्यमंत्री भी आएँगे और उनका लंच भी वहीं होगा । मुख्यमंत्री के लंच के लिए मंत्रालय द्वारा दी गई हिदायत के आधार पर होटल के मेनू में आखिरी परिवर्तन किया गया । सूचना के अनुसार मैनेजर को अपने मेनू में 'मक्के की रोटी' और 'सरसों का साग' भी शामिल करना पड़ा । होटल गोल्डन गेट के लिए यह मेनू बड़ी टेढ़ी खीर साबित हो रही थी । होटल के मालिक ने इस परेशानी से बचने के लिए मैनेजर को सुझाव दिया कि किसी दूसरे होटल से लंच का इंतजाम किया जाए लेकिन मैनेजर को भय था कि ऐसा करने से कहीं दूसरे होटल को इसका श्रेय न मिल जाए । यदि किसी विरोधी ने पत्रकारों के कान भर दिए और उन्होंने अखबारों में इसे छाप दिया तो होटल की प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल जाएगी । इसलिए इस विचार को त्यागना ही उसने उचित समझा । मैनेजर बड़ी दुविधा में था, तभी मुख्य रसोइए ने आकर मुस्कराते हुए संतोषजनक सूचना दी कि उसने इसी होटल में बरतन माँजने वाली मंगली से बात कर ली है । वह इस व्यंजन को बड़ी कुशलता से इसी होटल में बना देगी । यह सुनकर मैनेजर फूला न समाया और उसने तुरंत होटल के मालिक को भी सूचित किया । इस प्रकार सबने राहत की साँस कुशल रसोइए के रूप में मंगली को पाकर ली क्योंकि दाँव पर लगी होटल की प्रतिष्ठा अब मंगली के कारण सुरक्षित थी ।	
4)	अमर कहानीकार 'प्रेमचंद' जी ने 'शिकारी राजकुमार' पाठ में स्वार्थलोलुप, हिंसक, विलासी शासकों को फटकारते हुए जनकल्याण के प्रति शासक के धर्म पालन की उम्मीद जताई है । संन्यासी रात के दस बजे कुटी से शिकारी राजकुमार को लेकर लगभग घंटाभर चलने के बाद एक ऐसे स्थान पर पहुँचा, जहाँ एक ऊँचे टीले पर घनें वृक्षों के नीचे आग जलती दिखाई पड़ी । संन्यासी ने राजकुमार को रूकने का इशारा किया । दोनों एक पेड़ की ओट में खड़े होकर ध्यानपूर्वक देखने लगे । राजकुमार ने बंदूक भर ली । टीले पर घने वृक्ष के नीचे हट्टे - कट्टे दस - बारह लोग हथियारों से लैस होकर चरस का दम लगा रहे थे । राजकुमार को संन्यासी ने इनके बारे में बताया कि ये लोग बड़े शिकारी हैं । ऐसे हिंसक पशु हैं जो राह चलते यात्रियों का शिकार करते हैं । इनके जुल्म से अनेक गाँव बरबाद हो गए हैं । यह बताना मुश्किल है कि इन्होंने कितने लोगों को मारा हैं । वास्तव में शिकार करने लायक तो पशु यही हैं । इसी से प्रजा की रक्षा होगी । इस प्रकार टीले पर घने वृक्ष के नीचे दोनों शिकारियों ने हिंसक लूटेरों का दृश्य देखा और संन्यासी ने उनके अत्याचार का खुलासा किया ।	**3**
5)	लेखक 'भगवतीचरण वर्मा'जी ने 'प्रायश्चित' पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है । कबरी बिल्ली के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू का घर में रहना मुश्किल हो गया। कबरी बिल्ली की वजह से उसे सास की मीठी झिड़कियाँ सुनने को मिलती थी और उसके पतिदेव को	**3**

	रूखा - सूखा भोजन मिलता था । एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई । उस खीर में पिस्ता, बादाम, मखाने और तरह - तरह के मेवे डाले गए, सोने का वर्क चिपकाया गया । उस खीर के कटोरे को कमरे के ऊँचे ताक पर रखा गया ताकि बिल्ली वहाँ न पहुँच सके । इसके बाद रामू की बहू पान लगाने में लग गई । इतने में बिल्ली कमरे में आई, छलाँग मारी और कटोरा झनझनाहट की आवाज के साथ फर्श पर गिर गया । आवाज सुनकर रामू की बहू कमरे में आई । उसने देखा कि खीर फर्श पर पड़ी थी और बिल्ली खीर खा रही थी । यह देखकर उसके सिर पर खून सवार हो गया । उसे रात भर नींद नहीं आई । वह सोचती रही कि कैसे कबरी पर वार किया जाए जिससे कबरी जिंदा न बचे । सुबह रामू की बहू ने एक कटोरा दूध कमरे के दरवाजे की देहरी पर रख दिया । कुछ देर बाद उसने देखा कि कबरी बिल्ली दूध पर जुटी हुई थी । मौका हाथ में आ गया । उसके हाथ में पाटा था, उसने सारा बल लगाकर पाटा बिल्ली पर पटक दिया । बिल्ली न हिली, न डुली, न चीखी, न चिल्लाई । बस एकदम उलट गई । इस प्रकार कबरी बिल्ली से तंग आकर रामू की बहू ने उसकी हत्या की योजना बनाई ।	
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	पंडित जी के इस कथन से उनकी लालची वृत्ति सूचित होती हैं ।	**1**
2)	पंडित जी लोगों के अंधविश्वास की भावना का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं ।	**1**
3)	मिसरानी ने पंडित जी पर उनकी असाधारणरूप से अत्यधिक खाने की क्षमता और लालची स्वभाव पर व्यंग्य कसा ।	**1**
उ.**2**.	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखित कीजिए ।**	
1)	यदि तू लौट पड़ेगा थककर, अंधड़ **कालबवंडर** से डर ।	**1**
2)	गुण ही जन - मन **किरीट** , ताज हो ।	**1**
3)	तुम विशाल **सिंधु** पर, खून से विजय लिखो ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	कबीर ने साईं से अपने लिए यह माँगा है कि वे उन्हें इतना दें, जितने से उनके परिवार का तथा उनका पालन - पोषण हो सके और वे घर आए अतिथि को भी खिला सकें ।	**1**
2)	निर्झर झरकर यह संदेश देता है कि चलना ही जीवन है और रुक जाना मृत्यु है ।	**1**
3)	घाट पूरी व्यवस्था शौक से डूबने के लिए है ।	**1**
	ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	मेघों के आने पर आँधी चली और धूल भागी ।	**1**
2)	'बाँकी चितवन' का अर्थ है सौंदर्य भरी तिरछी नजर ।	**1**
3)	बन - ठनकर मेघ आया ।	**1**

	घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए। **भावार्थ :** कवि देश के साहसी बालकों को प्रेरित करते हुए कहते हैं कि देश में फैले अत्याचार, शोषण, भ्रष्टाचार और अन्याय रूपी अंधेरे को मिटाना होगा। इस अंधकार को मिटाकर न्याय, सच्चाई, सदाचार और ईमानदारी रूपी आदर्शों का उजाला देश - में फैलाना होगा। देशहित के प्रेरक कार्य रूपी आदर्श भावी पीढ़ी को प्रदान करने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी ही है। अपने सदाचार और नैतिकता के बलपर देश के वर्तमान को उन्नति की नई दिशा की ओर बढ़ते रहने दो।	**3**
	ङ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :	
1)	कवि 'सर्वेश्वरदयाल सक्सेना' जी ने 'मेघ आए' कविता में बादलों के आगमन पर प्रकृति में होनेवाले परिवर्तन का मनोहारी सजीव चित्रण किया है। कवि मेघों के आगमन पर अपनी कल्पना में डूब जाता है। उसकी दृष्टि में जिस प्रकार वर्षों पहले शहर से मेहमान गाँव आते थे तो वे बड़े ही बन - ठन कर आते थे। उनके आगमन पर पास - पड़ोस के लोग भी इस खुशी में शामिल होते थे। दरवाजे पर पहुँचे मेहमानों को औरतें घरों की खिड़कियों से झाँक कर देखने लगती थीं। इस कविता में कवि ने मेघ को उसी तरह का पाहुन (मेहमान) बताया है। वर्षभर के इंतजार के बाद मेघों का आना, हवा का तेज चलना कवि को वैसे ही प्रतीत होता है, जैसे अतिथियों का बिना सूचना दिए अचानक आगमन होता हैं। मेघों के आगमन के साथ बिजली भी चमकती है। सनसनाती तेज हवा बहती है। बड़े इंतजार के बाद मेघ आए हैं, इसलिए उनका आगमन आनंददायी हो गया है। इस प्रकार मेघों के वर्षभर बाद आगमन और उनके ठाट - बाट को देखकर 'पाहुन' तथा 'बन - ठन के सँवर के' आने का उल्लेख किया गया है।	**3**
2)	कवि 'सुमित्रानंदन पंत' जी ने 'जनगीत' कविता में सभी मानवों को एकता के सूत्र में एक हो जाने के संकल्प के साथ अन्याय, शोषण एवं उत्पीड़न को समाप्त कर 'मुक्तव्यक्ति' और संगठित समाज की कल्पना की है। नवयुग के नए विहान की कल्पना करने वाला कवि चाहता है कि लोग आपसी मतभेद भूलाकर संगठित और एकमत हों। सर्वत्र निर्भयता का वातावरण हो। विकास का समय आ गया है। सभी को एक जैसा मान - सम्मान और यश प्राप्त हो। लोग निजी स्वार्थों से ऊपर उठें। सार्वजनिक कार्यों में रुचि लें और सफलता में सबको समान यश मिले। लोगों में उमंग और उत्साह हो। अब किसी का शोषण न हो। किसी के साथ अन्याय न हो। समाज के हर व्यक्ति को स्वतंत्रता मिले और समाज एकता के सूत्र में बँधे। व्यक्ति के गुणों को प्रमुखता मिले। सभी को आगे बढ़ने की पूरी आजादी हो। इस प्रकार नवयुग के नए विहान के लिए कवि ने अपनी अनेक शुभेच्छाएँ प्रकट की हैं।	**3**
3)	संतकवि 'कबीरदास' जी ने 'कबीर के दोहे' कविता के माध्यम से संतोष, अतिथि - सेवाभाव, गुरु के महत्त्व तथा दान की महत्ता को बताया है।	**3**

कबीरदास जी कहते हैं कि दान का बहुत बड़ा महत्त्व है। परोपकार और समाज के कल्याण हेतु किए गए दान से संपत्ति नहीं घटती। कबीर नदी के उदाहरण द्‌वारा समझाते हैं कि नदी का जल पीने से उसका जल कम नहीं होता, उसी प्रकार दान देने से संपत्ति नहीं घटती है। कबीर कहते हैं कि सिर्फ मेरे कहने को ही मत अपनाओ बल्कि अपनी आँखों से महान दानियों को देखो और उनकी दान की प्रवृत्ति का अनुसरण करे।

इस प्रकार कबीर ने नदी के जल का उदाहरण देकर समझाया है कि दान देने से मनुष्य की संपत्ति नहीं घटती है।

उ.3. **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :**

1) सुप्रसिद्‌ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है। **4**

टैक्स की बीमारी बड़ी विचित्र है। वैसे जानलेवा बीमारियाँ तो अनंत हैं - निमोनिया, कालरा, कैंसर आदि जिनसे लोग अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। लेखक चंदा माँगने के लिए जिन सज्जन के पास गया था, उन्होंने अपनी टैक्स की बीमारी से लेखक को परिचित करवाया। यह सुनकर लेखक स्तब्ध रह गया क्योंकि इस बीमारी से वह अपरिचित था। वह सोचने लगा कि यह कैसी अद्‌भुत बीमारी है जिसमें मरीज स्वस्थ, प्रसन्न - चित्त बना रहता है और उसे इस बीमारी में मजा आता है। चिकित्सा - विज्ञान में इस अनोखी बीमारी का कोई उपचार ही नहीं है। हमारे देश में चंद लोग ही हैं, जो इस बीमारी से मर पाते हैं। लेखक को टैक्स की बीमारी वाले उस सज्जन से जलन होने लगी क्योंकि वे भी इस बीमारी से मरने के अभिलाषी थे।

इस प्रकार व्यंग्यकार परसाई जी ने टैक्स से संबंधित बीमारी को बड़े ही दिलचस्प तरीके से चित्रित किया है।

2) सुप्रसिद्‌ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है। **4**

लक्खी सराय का बालिका विद्‌यापीठ किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित था। विद्‌यापीठ जाने के लिए उस जनहीन बीहड़ स्टेशन पर उतरकर मोटर मार्ग द्‌वारा जाना पड़ता है। किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग भी निरापद नहीं है। यहाँ आए दिन डाके पड़ते ही रहते हैं। इसलिए विद्‌यापीठ की बालिकाओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित करते समय लेखिका को अनुरोध किया गया कि यात्रा कठिन अवश्य है, संभवतः आपको कष्ट भी होगा किंतु चिंता की कोई बात नहीं है। कुछ सहयोगी कार लेकर किऊल सटेशन पर उपस्थित रहेंगे। लक्खी सराय का बालिका विद्‌यापीठ प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था रही है। यहाँ की बालिकाएँ शिक्षा पूर्ण के बाद जब विदा लेती हैं, तो उन्हें उसी स्नेह और आत्मीयता से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है। बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम पर अक्सर किसी प्रसिद्‌ध साहित्यकार को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया जाता है। गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं। उनके

	हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, इस वर्ष विदा हो रही बालिकाओं की हार्दिक इच्छा थी कि उसी वृक्ष के पास में लेखिका के हाथों से लगा वृक्ष भी लहलहाएँ । इस प्रकार लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है ।	
3)	सन 1897 में भारत प्लेग की महामारी का शिकार हुआ। इसी दौरान स्वामी विवेकानंद जी ने दीन-दुखियों की सेवा करने के लिए एक छोटी-सी मंडली बनाई। उस समय स्वामी जी काफी अस्वस्थ थे। फिर भी उन्होंने घर-घर जाकर मरीजों की सहायता की। कुछ ऐसे मरीज थे, जिन्हें देखकर डॉक्टर भी उनके पास नहीं जाते थे। ऐसे मरीजों की भी सेवा स्वामी विवेकानंद और उनके साथियों ने की थी। उन्होंने इसी कार्य के लिए ढाका, कोलकाता, चेन्नई आदि स्थानों पर सेवाश्रम खोले थे। इस प्रकार सन 1897 की प्लेग की बीमारी में स्वामी विवेकानंद ने देशवासियों की सच्चे तन-मन से सेवा कर अपने सेवाव्रत को साकार किया।	**4**
4)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । आयुर्वेद में तुलसी के पौधे का बड़ा महत्त्व है । यह मनुष्य के जीवन के लिए बहुत ही गुणकारी है। खाँसी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया आदि में उबले पानी या चाय के साथ इसका सेवन लाभकारी है । यह वातावरण के वायु को शुद्ध रखती है । मच्छर तथा कीट - पतंगों को दूर भगाती है । इसकी सुगंध अनेक रोगों के कीटाणुओं को भी नष्ट कर देती है । इसलिए गंदे स्थानों या कीटाणुओं वाली जगहों से लौटने पर तुलसी की पत्ती दाँतों से खूब चबाई जाती है । वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी की सुगंध रोगाणुनाशी तथा संक्रमण विरोधी होती है । दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार तुलसी से जो तैलीय पदार्थ निकलता है, वह टी. बी. (यक्षमा) रोग का नाश कर डालता है । इस प्रकार तुलसी के अनेक औषधीय गुण हैं । **अथवा** **निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :**	**4**
1)	गंगा बाबू हैं कौन ? शिवानी जी द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध संस्मरण है । इस संस्मरण में शिवानी जी ने एक ऐसे व्यक्तित्व को प्रस्तुत किया है जो स्वयं असंख्य संस्मरणों के जीते - जागते शब्दकोश थे । गंगा बाबू का नाटा - सा कद, भारी - भरकम शरीर, सरल वेशभूषा, गंभीरता के लिए मुख - मंडल को रौशन करती हुई उनकी मोहक मुस्कान सहज ही सभी को आकर्षित कर लेती थी । शिवानी जी को लिखे एक प्रोत्साहन पत्र में गंगा बाबू ने संस्मरण कला का सार कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया था, ''संस्मरण ऐसा हो जिसे कभी देखा भी न हो, उसकी साक्षात छवि ही सामने आ जाए, उसका क्रोध, उसकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता सब कुछ सशक्त लेखनी आँकति चली जाए, वहीं उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है ।'' गंगा बाबू से लेखिका का परिचय लगभग दस वर्ष पूर्व हुआ था । शिवानी जी ने गंगा बाबू को संस्मरणों को अथाह खजाने के रुप	**8**

	में अनुभव किया । किसी गोष्ठी की अध्यक्षता करनी हो, या किसी अनुष्ठान के लिए आमंत्रित करना हो, गंगा बाबू हमेशा हिंदी के साहित्यकारों से अनुरोध करना नहीं भूलते थे । फिर चाहे वे महादेवी जी हो या शिवानी जी । गंगा बाबू के ऐसे ही आत्मीय आग्रह पर शिवानी जी लक्खी सराय की बालिका विद्यापीठ के 'कन्याओं की विदा' के कार्यक्रम में उपस्थित हुई थी । यह विद्यालय प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था थी । इसी विद्यापीठ के अहाते में गत वर्ष गंगा बाबू के आग्रह पर महादेवी जी ने वृक्ष लगाया या और इस वर्ष शिवानी जी ने उसी वृक्ष के पास एक पौधा लगाया । कन्याओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित शिवानी जी की चार दिनों तक गंगा बाबू ने जिस आत्मीयता से देखभाल की थी, उसे लेखिका कभी भूला नहीं पाई । वहाँ से चलते समय उन्होंने लेखिका को इतनी सौगातें बाँध दी, जैसे वे लेखिका के रूप में अपनी पुत्री को विदा कर रहे हो । गंगा बाबू के अनुरोध पर ही लेखिका बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की मूर्ति का अनावरण करने के लिए पटना भी गई थीं । कुछ महीनों पहले वे लखनऊ में भी गंगा बाबू से मिली थीं । वहाँ हिंदी संस्थान के किसी आयोजन में बीमारी की हालात में भी वे आए थे । गंगा बाबू हिंदी के एक सच्चे सफल सेनानी थे । उन्हें कभी किसी प्रशस्ति या यश - ख्याती की भूख नहीं रही । वे जीवनभर हिंदी के लिए संघर्षरत और समर्पित रहे । गंगा बाबू ने कभी - भी अपने कृतित्व का प्रचार नहीं किया । कम से कम हिंदी के लिए समर्पित व्यक्तियों संस्थाओं को अखिल भारतीय हिंदी संघ की स्थापना करने वाले गंगा बाबू (गंगा शरण सिंह जी) को नहीं भूलना चाहिए । सचमुच गंगा बाबू हिंदी के एक तपः पूत थे ।	
2)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते । यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है । स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं । ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं । इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है । संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो। तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल', 'बसिलिकोन', 'ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं । भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं । इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है । इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है । इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं । वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है । कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है । भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं । चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं । अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है ।	**8**

उ.**4.**	**च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1)	**वाह !** क्या बात है ।	**1**
2)	बच्चों के **लिए** भी कुछ दीजिए ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :	
1)	**पीछे** - अव्यय	**1**
2)	**मधुर** - विशेषण	**1**
	ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1)	आनंद का क्षण **आया ।**	**1**
2)	माँ चिंता में **पड़ी है।**	**1**
	झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :	
1)	करो (करना) सहायक क्रिया ।	**1**
2)	गई (जाना) सहायक क्रिया ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखत क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।	
1)	वाक्यः- राधा कुछ कह नहीं पाई ।	**1**
2)	वाक्यः- उन्हें गुस्से में देख मुझसे कुछ कहते नहीं बना ।	**1**
	ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :	

	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया	
1)	महकना	महकाना	महकवाना	**1**
2)	पूछना	पुछाना	पुछवाना	**1**

	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :	
1)	बजाई - प्रथम प्रेरणार्थक रूप ।	**1**
2)	भिजवाया - द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप ।	**1**
	ठ) निम्नलिखित अशुद्‌ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्‌ध करके लिखिए:	
1)	पंडित परमसुख की नाक सिकुड़ गई ।	**1**
2)	प्रकृतिसौंदर्य का जादू काम कर गया ।	**1**
3)	शराबी का नशा उतर गया ।	**1**

	अथवा **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:**	
1)	मैंने कहा, ''भैया मत रोओ, सिर दुखेगा ।''	**1**
2)	इसे संस्कृत में 'किंशुक' (क्या यह शुक है ?) कहा गया है ।	**1**
3)	ये बरगद, नीम, पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं ।	**1**
	(ड) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए:	
1)	**खून सवार हो जाना** – किसी को मार डालने को उद्यत होना । **वाक्य** : दुश्मन को सामने देख कर वीर सैनिकों के सिर पर <u>खून सवार हो गया</u> ।	**1**
2)	**जान के लाले पड़ना** – प्राण संकट में होना । **वाक्य** : शिकारी के जाल में फँसी हुई चिड़िया की <u>जान के लाले पड़ गए</u> ।	**1**
3)	**ठुकरा देना** – इनकार करना । **वाक्य** : आंदोलनकारियों की माँग को सरकार ने <u>ठुकरा दिया</u> ।	**1**
4)	**फूला न समाना** – अति प्रसन्न होना, खुश होना । **वाक्य** : पिताजी के मिठाई लाते ही बच्चे <u>फूले न समाएँ</u> ।	**1**
5)	**मन न लगना** – इच्छा न होना, किसी कार्य में मन न लगना । **वाक्य** : सुरेश का स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण आज दफ्तर में उसका <u>मन न लगा</u> ।	**1**
	अथवा **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदलए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :** **(फूला न समाना, मोल लेना, ठुकरा देना)**	
1)	गाँधीजी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों का **<u>ताँता बँधा रहता था ।</u>**	**1**
2)	मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों की **<u>जान में जान आई</u>** ।	**1**
3)	सीमा पर देश की रक्षा के लिए हमारे जवानों के **<u>कान खड़े रहते हैं ।</u>**	**1**
4)	एकाएक डाकू को सामने देखकर मुनीम **<u>सिहर उठा ।</u>**	**1**
5)	मोहन ने अपनी गलती के लिए पिता के **<u>पैर पकड़ लिए ।</u>**	**1**
उ.**5.**	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए:**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.123 - Q.28	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.117 - Q.21	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 129 - Q.34	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 105 - Q.10	**10**

उ.**6**.	(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 185 - Q.1	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 192 - Q.9	**4**
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है।	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 204 - Q.10	**4**
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 81 - Q.4	**4**

❐❐❐❐❐